वर्ष-3, अंक-15
इन्दौर, रविवार
15 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादक: सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

न्यूज़ ब्रीफ

पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत एक बार फिर बिगड़ी गई है। उन्हे दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है, और अस्पताल प्रशासन जल्द ही उनका मेडिकल बुलेटिन जारी कर सकता है। लालकृष्ण आडवाणी की उम्र 97 वर्ष है और हाल के महीनों में उनकी सेहत में गिरावट आई है। पिछले 4-5 महीनों में उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

जेल से बाहर आते ही अल्लू अर्जुन बोले सॉरी

हैदराबाद । साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को तेलंगाना हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आज सुबह हैदराबाद सेंट्रल जेल से रिहाई मिल गई। जेल से बाहर निकलने के बाद अल्लू अर्जुन ने मीडिया संग बातचीत की। उन्होंने कहा- चिंता की कोई बात नहीं है। मैं ठीक हूं। मैं कानून में यकीन रखता हूं। अदालत में यह केस चल रहा है तो मैं बीच में कमेंट नहीं करूंगा। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। मैं पुलिस के साथ सहयोग करूंगा। एक्टर के पिता अल्लू अरविंद और ससुर कंचरला चंद्रशेखर उन्हें रिसीव करने पहुंचे थे।

बायरू होंगे फ्रांस के नए पीएम

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस्वा बायरू को पीएम के रूप में नामित किया है। वे तीन महीने में फ्रांस के दूसरे पीएम होंगे। फ्रांस के दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों ने पिछले सप्ताह अविश्वास प्रस्ताव पर एक साथ मिलकर मतदान किया था, जिसके बाद पीएम माइकल बार्नियर और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को इस्तीफा देना पड़ा था।

हमारी सरकार ने मऊगंज को जिला बनाया, अब हम दे रहे हैं विकास की सौगातें : मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में चलाये जा रहे जनकल्याण अभियान में प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासन की विकास योजनाओं से लाभांवित किया जायेगा। इसके लिये ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर शिविर लगाकर पात्र नागरिकों को योजनाओं से जोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि मऊगंज विकास की दौड़ में पीछे छूट गया था। हमारी सरकार ने मऊगंज को जिला बनाया और अब सरकार ही मऊगंज को विकास की सौगाते दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5041 करोड़ की सीतापुर-हनुमना लिफ्ट इरिगेशन परियोजना का शिलान्यास किया। इस परियोजना से मऊगंज जिले के 400 से अधिक गांवों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। समारोह में 5175 करोड़ रुपए के 57 निर्माण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने खटखरी को नगर परिषद बनाने, दो सड़कों के उन्नयन, देवतालाब महाविद्यालय में 5 करोड़ रुपए की लागत से स्टेडियम के निर्माण, हनुमना में सिविल अस्पताल बनाने और देवतालाब शिव मंदिर में 5 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मऊगंज में आयोजित जनकल्याण पर्व समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई शिक्षा नीति में सनातन मूल्यों को समाहित कर शिक्षा को नई दिशा दी है। सनातन मूल्यों का जो विरोध करेगा, देश उसके साथ खड़ा नहीं होगा मुख्यमंत्री ने कहा कि मऊगंज रीवा और सतना सहित पूरा विंध्य क्षेत्र सादगी, सरलता और सदभाव का क्षेत्र है। भगवान श्रीराम ने अपने जीवन के वनवास के 11 वर्ष इसी क्षेत्र के चित्रकूट में बिताये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हर मांग पूरी की जाएगी। जन कल्याण अभियान में 16,100 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की कार्ययोजना पूरे प्रदेश के लिए बनाई गई है। इनमें से अकेले मऊगंज जिले को 5041 करोड़ रुपए की सौगात मिली है। पूरे क्षेत्र में विकास के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। आज ही बाणसागर बांध के बीच स्थित मनोरम सरसी टापू का लोकार्पण हुआ है। इससे क्षेत्र में पर्यटन को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश को दो नदी जोड़ों परियोजनाओं के लिए एक लाख 70 हजार करोड़ रुपए की मंजूरी देकर किसानों को बहुत बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सच्चे अर्थों में आधुनिक भागीरथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 60 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की प्रथम किश्त के रूप में 332 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से जारी किए। मुख्यमंत्री ने पोषण आहार योजना के तहत दो गर्भवती और धात्री महिलाओं को पोषण आहार से युक्त अक्षय पात्र भेंट किए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री का जनजातीय लोकनृत्य गुदुम बाजा के मधुर स्वरों से स्वागत किया गया। महिलाओं ने पुष्पवर्षा कर अपने लाड़ले मुख्यमंत्री की अगवानी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ-पूजन कर गौ-माता का सम्मान किया और गौ-संवर्धन का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने मऊगंज जिले के 100 से अधिक गायों की सेवा कर रहे सौखीलाल यादव को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने पुलिस बैण्ड की सराहना की। समारोह में मुख्यमंत्री को धातु निर्मित राधा-कृष्ण की प्रतिमा और डिजिटल गीता भेंट की गई। समारोह में विधायक देवतालाब एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम और विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल ने मुख्यमंत्री का स्वागत कर क्षेत्र के विकास से संबंधित अपने सुझाव रखे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, जिले के प्रभारी और पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, विधायक त्योंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सपना त्रिपाठी, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

केंद्र नहीं दे रहा वायनाड को विशेष पैकेज

प्रियंका गांधी व विपक्षी सांसदों ने किया विरोध प्रदर्शन

वायनाड (एजेंसी)। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी समेत केरल के विपक्षी सांसदों ने शनिवार को वित्तीय मांग को लेकर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान प्रियंका ने कहा कि केंद्र सरकार वायनाड को विशेष पैकेज देने से इनकार कर रही है। हमने गृहमंत्री से अनुरोध किया है, हमने पीएम को लिखा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी इस तरह बड़े पैमाने पर तबाही देखी गई है और वहां कांग्रेस की सरकार है। वे केंद्र से मदद मांग रहे हैं और फिर भी दोनों मामलों में केंद्र सरकार राजनीति के कारण पीड़ितों को उनका हक नहीं दे रही है।

रूस ने यूक्रेन के 37 ड्रोन को मार गिराया

मास्को (एजेंसी)। रूसी वायु रक्षा ने रूसी क्षेत्रों में 37 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है। यह जानकारी रूस के रक्षा मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने कहा, ÷कल रात यूक्रेनी शासन द्वारा रूसी संघ के क्षेत्र में विमान की तरह के मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग करके आतंकवादी हमले करने के प्रयास के दौरान ड्यूटी पर मौजूद वायु रक्षा प्रणालियों ने 37 यूक्रेनी यूएवी को नष्ट कर दिया।

आष्टा कारोबारी सुसाइड केस: बेटे ने कहा, खून में कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के आष्टा में 13 दिसंबर को कारोबारी मनोज परमार और उनकी पत्नी नेहा का शव घर में फंदे से लटकता हुआ मिला था। परिवार का आरोप है कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) के अफसर मनोज को प्रताड़ित कर रहे थे।

वे उन्हें कांग्रेस छोड़कर भाजपा जॉइन करने और राहुल गांधी के खिलाफ वीडियो बनाने का दबाव बना रहे थे। मनोज परमार का परिवार कांग्रेस से जुड़ा हुआ है। जनवरी 2023 में न्याय यात्रा के दौरान परमार ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को गुल्लक भेंट की थी। इसके बाद वे चर्चा में थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस घटना के बाद से ही परमार भाजपा के निशाने पर थे।

घटनास्थल पर 5 पेज का सुसाइड नोट भी था। इसमें मनोज ने लिखा- राहुल गांधी जी आप हमारे बच्चों का ख्याल रखना। मनोज के बड़े बेटे जतिन ने बताया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने परिवार की राहुल गांधी से बात करवाई। राहुल ने कहा- हम आपके साथ हैं। आपके परिवार का ख्याल रखेंगे। एक व्यक्ति के बच्चे ने गुल्लक तोड़कर राहुल गांधी की यात्रा को पैसे दिए। ED की गुंडागर्दी से उसके मां-बाप को मरना पड़ा। बच्चे कह रहे हैं कि ED के अधिकारियों ने उनसे कहा कि तुम राहुल गांधी के खिलाफ बयान दे दो, उसके बाद तुमको फ्री कर देंगे। 18 साल की बेटी जिया ने बताया, मेरे पिता धार्मिक थे वो हर साल मां बगलामुखी के दर्शन करने परिवार के साथ जाते थे।

गुकेश- शह और मात का नया शहंशाह

कहानी

सारा भारत आज के दिन डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गुकेश ने एक नया इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। उनकी इतनी शानदार सफलता में उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण अहम रहे। गुकेश ने बहुत कम उम्र में शतरंज खेलना शुरू कर दिया था, जिससे उन्हें खेल की बारीकियों को समझने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का पर्याप्त समय मिला। उनमें जन्मजात प्रतिभा है और उनकी ग्रहण करने की क्षमता बहुत तेज है, जिससे वे जटिल शतरंज रणनीतियों को आसानी से समझ पाते हैं। उन्होंने शतरंज के प्रति पूर्ण समर्पण दिखाया है और लगातार अभ्यास करके अपनी क्षमताओं को निखारा है। गुकेश को अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने उनकी खेल तकनीकों को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच मिली, जिससे उन्हें विश्व स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिली। गुकेश के प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग शामिल था, जिससे उनकी खेल रणनीति का विश्लेषण करना और सुधार करना आसान हो गया। रणनीतिक गहराई- गुकेश के पास शतरंज में गहरी रणनीतिक सोच है, जो उन्हें खेल के दौरान तत्काल सही निर्णय लेने में मदद करती है। वे दबाव की स्थितियों में भी शांत और संयमित रहते हैं, जिससे वे महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। उनमें मानसिक रूप से मजबूत होने की क्षमता है, जिससे वे हार से निराश नहीं होते और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित रहते हैं।

गुकेश नियमित रूप से शतरंज का अभ्यास करते हैं और अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे अपने पिछले मैचों का विश्लेषण करते हैं और अपनी गलतियों से सीखते हैं, जिससे उनकी खेल रणनीति में लगातार सुधार होता रहता है। वे शतरंज के महान खिलाड़ियों के खेलों का लगातार गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करते रहते हैं और उनसे नई तकनीकों को सीखते हैं। गुकेश ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिससे उन्हें उच्च स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव मिला है।

उन्होंने अलग-अलग शैली के खिलाड़ियों का सामना किया है, जिससे उनकी खेल में विविधता आई है और उन्हें विभिन्न स्थितियों के लिए तैयार किया गया है। गुकेश को अपने परिवार से भरपूर समर्थन और प्रेरणा मिली है, जो उनकी सफलता में एक महत्वपूर्ण कारक है। उनके परिवार ने उनके संघर्षों के दौरान उनका भावनात्मक रूप से समर्थन किया और उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इन सभी कारणों के संयोजन ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियन बनने में मदद की है। उनकी सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भारत में शतरंज के विकास और प्रोत्साहन का भी प्रतीक है। इस बीच, कुछ जानकार गुकेश और पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद की तुलना भी रहे कर रहे हैं। गुकेश और विश्वनाथन आनंद, दोनों ही भारतीय शतरंज के महान खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी शैलियों, दृष्टिकोण और खेल में कुछ समानताएं और कुछ मौलिक अंतर भी हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में शतरंज की असाधारण प्रतिभा है। वे जटिल स्थितियों को समझने और सटीक चाल चलने में माहिर हैं।

दोनों ही खिलाड़ी अपनी रणनीतिक गहराई के लिए जाने जाते हैं। वे न केवल तात्कालिक लाभ पर ध्यान देते हैं, बल्कि लंबी अवधि की योजनाओं को भी ध्यान में रखते हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में दृढ़ संकल्प है और वे कभी भी हार नहीं मानते हैं। उन्होंने कई बार मुश्किल परिस्थितियों से वापसी की है और जीत हासिल की है। दोनों ही खिलाड़ी अपनी शालीनता और खेल भावना के लिए जाने जाते हैं। वे हारने पर भी सम्मान बनाए रखते हैं। विश्वनाथन आनंद एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जो 90 के दशक से खेल रहे हैं, जबकि गुकेश एक युवा और उभरते हुए खिलाड़ी हैं। आनंद ने कंप्यूटर युग से पहले शतरंज खेला, जबकि गुकेश का विकास कंप्यूटर के युग में हुआ है।

आनंद अपनी तेज और आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, जबकि गुकेश एक अधिक रणनीतिक और रक्षात्मक खिलाड़ी हैं। आनंद त्वरित चालों और जटिलताओं में माहिर हैं, जबकि गुकेश स्थिति को नियंत्रित करने और धैर्यपूर्वक आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

जाहिर है, आनंद के पास खेल का अधिक अनुभव है और उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप जीती हैं, जबकि गुकेश अभी भी अपने करियर के शुरुआती चरण में हैं। आनंद ने दशकों तक शीर्ष स्तर पर खेला है, जबकि गुकेश अभी भी वैश्विक शतरंज समुदाय में अपनी जगह बना रहे हैं।

आनंद एक अधिक सहज और रचनात्मक खिलाड़ी हैं, जबकि गुकेश अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक खिलाड़ी हैं। आनंद स्वाभाविक रूप से प्रेरित होकर खेलते हैं, जबकि गुकेश अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत में शतरंज पहले से ही काफी लोकप्रिय है, लेकिन गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों के उदय से यह और भी लोकप्रिय हो सकता है।गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों की सफलता से युवा पीढ़ी को शतरंज में रुचि लेने की प्रेरणा मिलेगी। युवाओं के लिए एक आदर्श मॉडल होने से अधिक युवा शतरंज खेलने के लिए आकर्षित होंगे। ऑनलाइन शतरंज प्लेटफॉर्म और कंप्यूटर विश्लेषण उपकरणों की उपलब्धता से खेल अधिक सुलभ हो गया है। इंटरनेट के माध्यम से सीखने और खेलने के विकल्पों ने शतरंज को अधिक सुविधाजनक बना दिया है। शतरंज को अब पहले से अधिक मीडिया कवरेज मिल रहा है, जिससे खेल के

बारे में जागरूकता बढ़ रही है। प्रमुख समाचार चैनलों और खेल वेबसाइटों पर शतरंज की घटनाओं को कवर किया जा रहा है।

शतरंज को अब स्कूलों में एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में मान्यता दी जा रही है, जिससे बच्चों को खेल के लाभों का अनुभव करने का अवसर मिल रहा है। स्कूलों में शतरंज को बढ़ावा देने से आने वाली पीढ़ी के लिए इसे और लोकप्रिय बनाया जा सकता है।

शतरंज में प्रायोजन में वृद्धि से खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी। प्रायोजकों द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करने से खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी।

गुकेश का विश्व चैंपियन बनना भारत में शतरंज को और लोकप्रिय बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया जाएगा और शतरंज में करियर बनाने के लिए एक नया रास्ता खुलेगा।

डॉ. आर.के. सिन्हा
(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

घर-चिड़ियाघर

महानगर में निवासरत अपने एक धनाढ्य मित्र प्रदीप भोले जी के घर मैं कई वर्षों उपरांत पहुंचा था। वहां पहुंचने पर मैंने देखा बड़े-बड़े एक्वेरियम में महंगी- महंगी मछलियां तैर रही थीं। विविध किस्म के खुबसूरत पक्षी चीं चीं कर रहे थे।अनेक नस्ल के कुत्ते भी दिखे। कोई कुत्ता सोफा पर बैठा हुआ था तो कोई बॉल खेलने में मग्न था।

मेरा धनाढ्य मित्र और उनकी धर्मपत्नी बड़े प्यार से मछली ,पशु-पक्षियों को दाना पानी दे रहे थे। मैंने कहा- आप लोगों की दयालुता और जीव जंतुओं के प्रति प्रेम देखकर मेरा मन गदगद हो गया है।आपके बच्चे कितने है? कहां हैं? वे दिखाई नहीं दे रहे हैं।

मेरे इस सवाल का जवाब भोले जी की धर्मपत्नी हंसते हुए दीं - अरे !क्या बताएं मिश्रा जी,बच्चों के लिए तो हम समय ही नहीं निकाल पाते।दो छोटे -छोटे बच्चे हैं। दोनों की देखभाल के लिए अलग-अलग दो आया रख लिए हैं। उन्हीं लोग कहीं बगीचे में बच्चों को खिला पिला रही होंगी।ऐसे उत्तर की अपेक्षा मुझे नहीं थी। मैं थोड़ा असहज सा हो गया था। मैंने देखा भोले जी अपनी गोद में बैठे कुते को पप्पी देने में लगे थे। मैंने साहस करके कहा -अच्छा अच्छा, और बाबूजी कहां हैं? इस बार उत्तर भोले जी ने दिया -अरे यार, मां के निधनोपरांत पिताजी को अकेलापन काटने दौड़ता था। इसीलिए हमनें उन्हें वृद्ध आश्रम भेज दिया। वहां उनको बढ़िया माहौल मिल गया है।

तभी भोले जी का नौकर पानी लेकर आ गया। मैंने कहा- मेरा निर्जला व्रत है भोले भाई। मैं कुछ खाऊंगा पिऊंगा नहीं।आज्ञा दीजिए। मैं वापस जाने लगा तो भोले जी ने कहा- ठीक यार। अपना घर समझकर कभी भी आ जाना।उनकी बातें सुनकर मैं मन ही मन बुदबुदाया-भोले जी, अब यह घर, घर कहां रहा? घर और चिड़ियाघर में फर्क होता है।

विजय मिश्रा अमित एम 8
सेक्टर 2, अग्रोहा कॉलोनी,
पोऑ- सुंदर नगर रायपुर
(छग) 492013 मो.
9893123310

असंतुष्ट

प्रायः समाचार पत्रों में यह समाचार पढ़ने को मिलता है कि लड़के -लड़की एक दूसरे से बहुत प्यार करते थे और उन्होंने लव मैरिज की , लेकिन शादी के बाद एक दो वर्षों के बाद ही छोटी सी बात को लेकर तकरार होने से दोनों के बीच संबंध विच्छेद हो गया। इधर मोहन और राधा के बीच प्रतिदिन किसी न किसी बात को लेकर तकरार होती रहती थी। कभी -कभी तकरार इतनी बढ़ जाती कि लगता उन दोनों का साथ रह पाना मुश्किल हो जायेगा। पति पत्नी की रोज की तकरार से बच्चे भी सहमे-सहमे से रहते थे। एक दूसरे से असंतुष्ट रहते हुए भी सामाजिक बंधन एवं पारिवारिक संबंधों की डोर को मजबूती से थामे हुए पड़ोसियों, रिश्तेदारों की आशंका और उत्सुकता के बीच आज वे अपनी शादी की पच्चीसवीं सालगिरह मना रहे थे, और इंतजाम से असंतुष्ट पति पत्नी में पुनः तकरार.....।

डॉ. प्रदीप शशांक
जबलपुर , म.प्र .
मो. 9131485948 ,

मकबरा

मैं और मेरा दोस्त सिविल इंजीनियर बन गए। दोस्त ने कहा जानते हो, प्रमोद लोग सिविल इंजीनियरिंग के बारे में क्या कहते हैं) कहते हैं कि जिन्होंने रिश्वत लेनी होती है, जिन् बेईमानी की आमदनी चाहिए , वही इसमें जाते हैं ।अब हम दोनों भी सिविल इंजीनियर बन गए हैं। क्या हम भी उसी रास्ते पर चलेंगे ? दोस्त ने कहा - नहीं-नहीं नहीं, हम बेईमानी का एक पैसा भी नहीं लेंगे। हम कोई बेईमानी करेंगे ही नहीं ।आओ, ईमानदारी की कसम खाएं। ईमानदारी की शपथ उठाने के बाद हम एक दूसरे से बहुत दूर चले गए। वह पांच साल बाद मिला। मुझे अपना नया बना मकान, जिसे वह बार-बार कुटिया कर रहा था, दिखाने ले गया। उस पांच मंजिला भव्य भवन को देखकर मैं दंग रह गया। उसने बताया कि यह मकान उसने अपने ही एक रिश्तेदार के नाम से बनाया है। इस कुटीर का कोई अच्छा सा नाम बताओ । मैंने नाम बताया- ताजमहल ।बोला- यह तो एक दफनाई हुई लाश के ऊपर बने मकबरे का नाम है। इसमें तो? जीवित प्राणी रहेंगे ।इसे मकबरे का नाम देना उचित है?

यह भी एक मकबरा ही है। इसके नीचे तुम्हारी ईमानदारी की लाश दफन है। मेरे दोस्त खाली तनख्वाह से ऐसा भव्य मकान नहीं बन सकता। पांच साल पहले रिश्वत न लेने और बेईमानी न करने की जो तुमने शपथ ली थी, उसके अंतिम संस्कार का स्मृति स्थल लगता है यह मकान... न जाने कैसे मेरे मुंह से निकल गया।

गोविंद शर्मा
द्वश.9414482280

डंडे की मार

गांव के चार लडको ने स्कूल जाने के बजाय एक दिन मेला देखने का प्रोग्राम बनाया मुकेश बोला सुनो ये बात कोई भी घर पर नहीं बताएगा। मुकेश की बात का सबने मिलकर समर्थन किया। मुकेश समर्थ गोलू और विजय पीठ पर बस्ता टांगे पास के गांव में मेला देखने पहुंच गए। सबने मिलकर मेले का आनंद लिया ।चकरी में चक्कर काटे, बर्फ के लड्डू खाए तो किसी ने बंदूक से निशाना लगाया। मेला देखने गांव के और लोग भी आए थे जिन्होंने इन बच्चों को देखा जिनके पीठ पर बस्ता भी था मतलब साफ था स्कूल से भागकर आए। ये बात गांव में जाकर बच्चों के माता पिता से कह दी। नतीजा ये हुआ की मुकेश के घर पहुचते ही पिता ने पूछ लिया कहा गए थे। मुकेश = स्कूल

पिता = नही झूठ मत बोलों
मुकेश = स्कूल
पिता = मेले में गए थे हमें पता चल गया कहकर डंडे से पिटाई की तो
मुकेश = हां हां गए थे।
डंडे की मार ऐसी पड़ी की सच जुबान पर आ ही गया।

मनोहर सिंह चौहान मधुकर

बिजली कंपनियो निकाली भर्ती में विसंगतियां

इंदौर। (मदन वर्मा)। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने मध्यप्रदेश शासन के अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा को पत्र प्रेषित कर निवेदन किया और सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध संचालकगणों से आग्रह किया है कि बिजली कंपनियों में सीधी भर्ती के लिए बहुत कम पद निकालें गये है। सीधी भर्ती के लिए निकालें गये विज्ञापन में दी गई अर्हताएं, शर्तों में अनेक कमियां, विसंगतियां हैं जिनके कारण वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मियों, आउटसोर्स कार्मिकों को इस भर्ती अभियान का लाभ नहीं मिल पाएगा। अतः निम्नलिखित कमियों, विसंगतियों को तत्काल दूर किया जाना चाहिए जिससे वर्षों से नियमित नियुक्ति की बाट जोह रहे संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कार्मिकों को इसका लाभ मिल सके।

मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश

डीपी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन के अनुसार बिजली कंपनियों में हो रही भर्ती में कार्यरत संविदा कर्मियों को सी.पी.सी.टी.स्कोर कार्ड परीवीक्षा अवधि के अंदर प्राप्त करने की शिथिलता प्रदान करें। जैसे मध्यप्रदेश शासन की भर्तियों में विद्यमान है, ताकि जिन संविदा कर्मियों के पास वर्तमान में सी.पी.सी.टी. स्कोर कार्ड नहीं है वे इसे प्राप्त कर इस भर्ती अभियान का लाभ ले सकें। राकेश पाठक ने कहा कि संविदा नीति 2023 के नये प्रावधान के कारण संविदा कर्मियों के लिए आरक्षित किए जाने वाले पदों की संख्या बढ़ने की बजाए समाप्त हो गई। संविदा कर्मियों को सीधी भर्ती के पदों का 50 प्रतिशत आरक्षण अथवा सभी विद्युत कंपनियों में 5 वर्ष से कार्यरत संविदा कर्मियों के लिए पदों के आरक्षण की गणना में शामिल किया जाना न्यायोचित है, जिससे लम्बी अवधि से विभिन्न कंपनियों में कार्यरत संविदा कर्मियों को नियमित होने का लाभ मिल मिल सकें। फेडरेशन के महामंत्री राकेश पाठक ने कहा कि विद्युत वितरण कंपनियों में होने वाली भर्ती में आउटसोर्स मीटर रीडरों के अलावा आउटसोर्स ऑपरेटर और आउटसोर्स लाइन हेल्परों को भी प्रासांक के 10% बोनस अंक मिलना चाहिए जैसे नोटिफिकेशन में केवल आउटसोर्स मीटर रीडरों को मिल रहा है। राकेश पाठक ने कहा कि विद्युत वितरण कंपनियों से जिन प्रशिक्षकों ने एनएसी नेशनल अप्रेंटिस शिप किया हुआ है उनको प्रासांक का 10 प्रतिशत अंक बोनस के दिए जाए क्योंकि वह प्रशिक्षित है। बिजली कंपनियों द्वारा निकाली भर्ती में अपनी कंपनी में कार्यरत कार्मिकों के लिए प्राथमिकता तो रहनी ही चाहिए। भर्ती में परीक्षण सहायकों के समुचित पद निकालें जाएं नहीं तो संविदा पर कार्यरत सभी परीक्षण सहायकों को नियमित किया जाए। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने मध्यप्रदेश शासन के अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा एवं बिजली कंपनियों के सभी प्रबंध संचालक गणों से आग्रह किया है कि इन भर्तियों के बाद बिजली कंपनियों में बड़ी संख्या में रिक्त पड़े पदों पर सभी संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए साथ ही लंबे समय से बिजली कंपनियों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को उनकी योग्यता, अनुभव के आधार पर नियमित किया जाए।

रुक जाना नहीं सहित राज्य ओपन बोर्ड की परीक्षाएं 18 से

56 जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों में 92 हजार विद्यार्थी होंगे शामिल

इंदौर । राज्य ओपन बोर्ड की परंपरागत 10वीं व 12वीं, 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत दूसरे अवसर की परीक्षाएं 18 दिसंबर से शुरू होंगी। ये परीक्षाएं छह जनवरी तक चलेंगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में फेल हुए विद्यार्थियों के लिए रुक जाना नहीं योजना के तहत परीक्षा आयोजित की जाती है। इसमें दो बार परीक्षा होती है। मई-जून में आयोजित इस परीक्षा में फेल हुए विद्यार्थियों के लिए दूसरा अवसर दिया जाता है। इसमें सबसे अधिक रुक जाना नहीं योजना के तहत प्रथम अवसर में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी शामिल होंगे। 278 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैंइसमें 10वीं व 12वीं के करीब 81 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके अलावा राज्य ओपन बोर्ड की परंपरागत 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं, मदरसा बोर्ड, सीबीएसई ऑन डिमांड सहित अन्य परीक्षाएं होंगी।

बुंदेलखंड से लेकर चंबल-मालवा तक मिलेगा भरपूर पानी

केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल प्रोजेक्ट्स की शुरुआत होगी इसी महीने

इंदौर।पानी की समस्या से जुझ रहे मप्र के बुंदेलखंड से लेकर चंबल-मालवा तक भरपूर पानी मिलेगा। पानी की समस्या का यह समाधान केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल प्रोजेक्ट्स से होगा। नदियों को जोडने वाले इन दो बड़े प्रोजेक्ट्स की शुरुआत इसी महीने से होने जा रही है। मप्र और उत्तर प्रदेश में फैले बुंदेलखंड में केन और बेतवा को जोड़ा जाएगा। इस प्रोजेक्ट से मप्र में बुंदेलखंड हिस्से के 10 जिलों को पानी मिलेगा। दूसरा पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक प्रोजेक्ट है। इन तीन नदियों को जोडने से मप्र के चंबल से लेकर मालवा तक फायदा होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक प्रोजेक्ट से प्रदेश के 12 जिलों में सिंचाई और पीने के लिए पानी मिलेगा। दोनों ही प्रोजेक्ट का भूमिपूजन इसी महीने होने की संभावना है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का भूमिपूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 दिसंबर को जयपुर से करेंगे। कार्यक्रम में राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव, दोनों राज्यों के जल संसाधन विभागों के मंत्री, केंद्र और राज्य सरकारों के अफसर मौजूद रहेंगे। इन परियोजनाओं की खास बात यह है कि केन-बेतवा लिंक देश का इस तरह का पहला तो पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक दूसरा प्रोजेक्ट है।

केन और बेतवा को लिंक कैनाल से जोडने की योजना

केन और बेतवा बुंदेलखंड की दो सबसे बड़ी नदियां हैं। दोनों अलग-अलग छोरों पर बहती हैं। यमुना की इन दो सहायक नदियों को एक लिंक कैनाल से जोडने की योजना है। बुंदेलखंड लगभग 23733 स्क्वायर किलोमीटर एरिया में फैला है। केन और बेतवा नदी यहां की लाइफलाइन हैं। इसके बावजूद इस क्षेत्र में जल संकट बड़ी चुनौती है। साल 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने केन और बेतवा नदियों को आपस में जोडक़र बर्बाद होते पानी को रोकने के प्रयास शुरू किए थे। 2003 में एमपी की तत्कालीन सीएम उमा भारती ने भी इस परियोजना को अमल में लाने का प्रयास किया था। अब 22 साल बाद पूर्व

पीएम वाजपेयी का सपना साकार होने जा रहा है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने वाजपेयी के जन्मदिन के मौके पर 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस परियोजना के भूमिपूजन के लिए समय मांगा है। अगर मंजूरी मिली तो 25 दिसंबर से इस प्रोजेक्ट की शुरुआत हो सकती है। छतरपुर जिले में दौधन बांध पर निर्माण का भूमिपूजन किया जाएगा। छतरपुर और पन्ना जिले के बॉर्डर पर खजुराहो के करीब केन नदी पर दौधन बांध बनाया जाएगा। इस बांध से 230 किलोमीटर लंबी नहर के जरिए केन नदी का पानी निवाड़ी और उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के बॉर्डर पर ओरछा के करीब बेतवा नदी में जोड़ा जाएगा। बुंदेलखंड में मप्र के 10 जिले- पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी और रायसेन जबकि उत्तर प्रदेश के बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर जिले आते हैं। केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट से इन सभी जिलों के 9.5 लाख किसानों को फायदा पहुंचेगा। 10 लाख हेक्टेयर जमीन पर सिंचाई हो सकेगी। 62 लाख लोगों को पीने का साफ पानी मिल सकेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 103 मेगावाट हाइड्रो पावर और 27 मेगावाट की क्षमता वाला सोलर प्लांट भी बनाया जाएगा।

पिछले साल हुआ था एमओयू

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के लिए विवादों का निपटारा करते हुए 22 मार्च 2023 को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री के साथ मप्र और यूपी के मुख्यमंत्रियों के बीच त्रिपक्षीय एमओयू हुआ। इस परियोजना का 90 प्रतिशत खर्च केंद्र सरकार और 10 प्रतिशत राज्य सरकारें उठाएंगी। कुल 44 हजार 605 करोड़ रुपए की राशि में से एमपी सरकार 24334 करोड़ और यूपी सरकार 5710 करोड़ रुपए देगी। केन-बेतवा लिंक प्राधिकरण 14560 करोड़ रुपए खर्च करेगा।

चंबल से मालवा तक मिलेगा पानी

पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) लिंक प्रोजेक्ट में मध्य प्रदेश में 21 बांध और बैराज बनाए जाएंगे। इस योजना के जरिए प्रदेश में 36 हजार 800 करोड़ रुपए के काम कराए जाएंगे। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से प्रदेश के चंबल से मालवा तक सिंचाई और पीने के लिए पानी मिलेगा। इस प्रोजेक्ट में मध्यप्रदेश की 17 परियोजनाएं और राजस्थान की पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना शामिल हैं।

21 बांध और बैराज बनाए जाएंगे

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना में मध्य प्रदेश से शुरू होने वाली पार्वती, कूनो, कालीसिंध, चंबल, शिप्रा और सहायक नदियों के पानी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाएगा। कुल 21 बांध और बैराज बनाए जाएंगे। श्रीमंत माधवराव सिंधिया सिंचाई कॉम्प्लेक्स में 4 बांध (कटीला, सोनपुर, पावा और धनवाड़ी), 2 बैराज (श्यामपुर, नैनागढ़), कुम्भराज कॉम्प्लेक्स में 2 बांध (कुम्भराज-1 और कुम्भराज-2), रणजीत सागर, लखुंदर बैराज और ऊपरी चंबल कछार में 7 बांध (सोनचिरी, रामवासा, बचेरा, पदुनिया, सेवरखेडी, चितावद, सीकरी सुल्तानपुरा) बनेंगे। इसके अलावा गांधी सागर बांध की अपस्ट्रीम में चंबल, क्षिप्रा और गंभीर नदियों पर छोटे-छोटे बांधों का निर्माण भी प्रस्तावित है। केंद्र सरकार के सहयोग से बनने वाली इस परियोजना का काम अगले 5 साल में पूरा कर लिया जाएगा। 75 हजार करोड़ के खर्च में से 90 प्रतिशत केंद्र जबकि 10 प्रतिशत मप्र और राजस्थान सरकार देंगी। इसमें बैलेंसिंग रिजर्वायर का निर्माण प्रस्तावित है। इसके साथ ही परियोजना में मध्य प्रदेश, राजस्थान के बीच मौजूदा चंबल दाई मुख्य नहर और मध्य प्रदेश क्षेत्र में चंबल दाई मुख्य नहर सिस्टम के अंतिम छोर तक मॉडर्नाइजेशन और रीन्यूअल के लिए प्रावधान किया गया है। इससे एमपी के श्योपुर, मुरैना, भिंड जिलों को सिंचाई और पीने के लिए पानी मिलेगा।

नेशनल हाईवे पर अवैध कब्जों की अब हर माह होगी जांच

इंदौर। देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगातार हो रहे कब्जों से परेशान केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अब इन्हें रोकने के लिए सख्त कदम उठाने जा रहा है। इसके लिए स्थानिय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के अधिकारियों की कमेटी बनाकर उन्हें हर माह नेशनल हाईवे पर होने वाले कब्जों और अनाधिकृत व्यापार को रिपोर्ट करने और हटवाने की जिम्मेदारी दी जा रही है। खास बात यह है कि इन्हें हटाने के साथ कब्जाधारी से हटाने का शुल्क और जुर्माना भी वसूला जाएगा। केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले हाईवे एडमिनिस्ट्रेशन सेल द्वारा इस संबंध में ड्राफ्ट सर्कुलर तैयार कर मंत्रालय से लेकर देश के सभी नेशनल हाईवे अथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अधिकारियों को भेजा है। इसमें इस व्यवस्था को किस तरह लागू किया जाएगा और किस स्तर पर किस अधिकारी की क्या जिम्मेदारी होगी, यह भी तय किया गया है। इस प्रस्ताव पर सभी से राय मांगी गई है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इसे मंत्रालय के निर्देश पर ही तैयार किया गया है और जल्द ही इसे पूरे देश में लागू कर दिया जाएगा।

- केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जारी किया ड्राफ्ट सर्कुलर, राष्ट्रीय राजमार्गों को कब्जा मुक्त करने के लिए जल्द पूरे देश में होगा लागू
- कब्जे हटाने के साथ जुर्माना भी वसूला जाएगा... ताकि दुर्घटनाओं से निजात मिल सके

राजमार्गों के विस्तार में कब्जे

एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि देश में तेजी से नेशनल हाईवे तैयार हो रहे हैं, वहीं मौजूदा हाईवेज का विस्तार और चौड़ीकरण भी किया जाएगा। ऐसी स्थिति में अगर किसी टू लेन हाई वे को फोर लेन या फोर लेन हाईवे को सिक्स लेन करने की योजना बनती है तो सबसे ज्यादा परेशानी इन हाईवेज की किनारे हुए कब्जे और अनाधिकृत व्यापार केंद्र ही बनते हैं। अवसर कब्जाधारी कोर्ट भी चले जाते हैं, जिससे कई प्रोजेक्ट सालों लेट हो जाते हैं। नई व्यवस्था से ऐसी परेशानी से पहले ही निपटा जा सकेगा।

कब्जाधारी से कब्जा हटाने का शुल्क और जुर्माना भी वसूला जाएगा

अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर कब्जाधारियों और अनाधिकृत व्यापार करने वालों को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद संतोषजनक जवाब या दस्तावेज ना मिलने पर अवैध कब्जों को हटाने के लिए एक अथोरिटी एजेंसी नियुक्त करेगी। यह एजेंसी मुख्यालय के निर्देश पर कब्जों को हटाने का काम करेगी। कब्जों को हटाने का खर्च भी कब्जाधारी से लिया जाएगा, इसके साथ ही अथोरिटी कब्जाधारी पर जुर्माना भी लगाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था से राष्ट्रीय राजमार्गों पर पहले से हो चुके कब्जों को हटाने में तो मदद मिलेगी ही, साथ ही भविष्य में नए कब्जे नहीं हो पाएंगे, ऐसा नजर आने पर उन्हें तुरंत ही हटा दिया जाएगा।

हर माह होगी निगरानी

नए मसौदे के मुताबिक नेशनल हाईवे पर हो चुके कब्जों और अनाधिकृत व्यापार को हटाने और नए कब्जे रोकने के लिए स्थानीय और मुख्यालय स्तर तक पर अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी। रीजनल लेवल पर एनएचएआई के चीफ इंजीनियर, सुप्रिटेंडेंट इंजीनियर, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, चीफ जनरल मैनेजर, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, डिप्टी जनरल मैनेजर, मैनेजर, डिप्टी मैनेजर और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर स्तर के अधिकारियों को हर माह अपने क्षेत्र के नेशनल हाईवे का दौरा करते हुए कब्जों की रिपोर्ट मुख्यालय भेजना होगी, वहीं मुख्यालय स्तर पर भी एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, डिविजनल इंजीनियर और प्रोजेक्ट मैनेजर जैसे अधिकारी हर दो माह में अपने क्षेत्र के नेशनल हाईवे का दौरा करना होगा।

वयोवृद्ध आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए एएनएम ने की अभिनव पहल

इन्दौर,
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अन्तर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिवर्ष पाँच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है, जिससे उन्हें आर्थिक चिंताओं से मुक्त करते हुए एक स्वस्थ और सम्मानपूर्ण जीवन जीने में सहायता मिल सके। योजना हेतु पात्रता का निर्धारण केवल आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा तथा पंजीकरण के लिए आधार कार्ड एवं समग्र फैमिली आई.डी. की आवश्यकता होगी। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को योजना के तहत एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जा रहा है। जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के हैं और जिनके परिवार पहले से ही

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कवर हैं, उन्हें अपने लिए अतिरिक्त 5 लाख रूपये तक की वार्षिक टॉप-अप कवरेज मिलेगी, जिसे वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों (जो 70 वर्ष से कम आयु के हैं) के साथ साझा नहीं करेंगे। वर्तमान में इंदौर जिले में वयोवृद्ध जनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, इसी क्रम में संयोगितागंज झोन की ए.एन.एम. श्रीमती ज्योति बामरेले, वार्ड क्र. 48 ने गीता जयंती पर गीता भवन में आयोजित एक सत्संग समारोह में उन्होंने प्रवचनकर्ता से उपस्थित श्रद्धालुओं से यह अपील करवाई कि वयोवृद्ध श्रद्धालु जिनका मोबाईल आधार से लिंक है वह तुरंत इस योजना के लाभ के लिए अपना आयुष्मान कार्ड उनसे बनवाएं। इसका अच्छा प्रतिसाद मिला और उपस्थित कई श्रद्धालुओं ने जो कि इस श्रेणी में आते हैं, उन्होंने अपना आयुष्मान कार्ड बनवाया।

मनमानी: मुनाफे के चक्कर में पशु-पक्षियों और मानव जीवन को खतरे में डाल रहे कारोबारी

प्रतिबंध के बाद भी बेचा जा रहा चायनीज मांझा क्योंकि इसमें 60 फीसदी तक मुनाफा

पीथमपुर। चायनीज मांझा... जिसके विक्रय, भंडारण और इस्तेमाल तक पर कलेक्टर ने रोक लगा दी है। लेकिन यह मांझा प्रमुख चौराहों पर खुलेआम बेचा जा रहा है। जब शहर की यह स्थिति है तो ब्लॉक और ग्रामीण अंचल की स्थिति को समझा जा सकता है। पीथमपुर की प्रत्येक दुकान पर प्रतिबंधित मांझे का विक्रय, भंडारण और इस्तेमाल तक हो रहा है। लेकिन इस विक्रय पर रोक नहीं लग पा रही है। यही वजह है

कि खुले आम पतंगों की दुकानों पर मांझा देखा जा सकता है। दुकानदार अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में इस प्रतिबंधित और पशु-पक्षी और मानव जीवन की सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाले मांझे को बेच रहे हैं। जबकि इन दुकानदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। वहीं एक दुकानदार ने बताया कि इसी मांझे को लोग पसंद करते हैं, इसलिए बेच रहे हैं। जब पुलिस सख्ती करेगी तो इसे दुकानों से हटा लेंगे।

मुनाफा इसलिए चायनीज मांझे का विक्रय-देशी और चाइनीज मांझा की कीमतें विभिन्न कारकों पर निर्भर करती हैं, जैसे कि मांझा की गुणवत्ता, मांझा की लंबाई या वजन, और बाजार की मांग। यही वजह है कि देशी मांझा 800 रुपए से लेकर 1200 रुपए किलोग्राम में मिलता है। जबकि चायनीज मांझा 400 रुपए से 800 रुपए किलोग्राम कीमत है। इसी कीमत में अंतर होने की वजह से दुकानदार इसी को बेचते हैं। यह देशी से मजबूत होता है। इसके बाद दुकानदार ग्राहकों को 40 से 50 फीसदी अधिक कीमत पर मांझा खपाते हैं।

किसी भी सीजन में मिलता है मांझा, पहले सिर्फ गर्मी में ही पतंगबाजी होती थी

पतंगबाजी का शौक रखने वाले लोग महंगे से महंगा मांझा खरीदते हैं। पहले सिर्फ देशी मांझे का ही इस्तेमाल होता था। लेकिन अब इसकी जगह चायनीज मांझे ने ले ली है। जो देशी की तुलना में मजबूत बताया जाता है और यह तेज भी होता है। स्थिति यह है कि पहले सिर्फ गर्मी के समय पतंगबाजी होती थी। लेकिन अब हर मौसम में लोग पतंग उड़ाते हैं। पतंग पहले सिर्फ कागज की मिलती थी और पन्नी से भी यह तैयार हो रही है।

यही वजह है कि इस पतंग और मांझा बेचने के कारोबारियों की संख्या भी बढ़ गई है। हर मौसम में पतंग और मांझा शहर में बिकता है।

लोग चायनीज मांझा पसंद करते हैं, सख्ती होगी तो देखेंगे

एक दुकानदार ने अपना नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि चायनीज मांझे को ही लोग पसंद करते हैं। क्योंकि यह मांझा नायलॉन और प्लास्टिक के मिश्रण से बनाया जाता है और यह बहुत मजबूत और तेज होता है। जबकि देशी मांझा कपास और रेशम का बना होता है। इस वजह से यह कम मजबूत होता है।

शहर में इसका विक्रय हो रहा है। क्योंकि पूर्व में लोगों ने इसकी खरीदी कर ली है।

कभी प्रशासनिक और पुलिस स्तर से जांच भी नहीं हुई। इस वजह से बेच रहे हैं। अगर सख्ती होगी तो इसके विक्रय को बंद भी कर देंगे। चायनीज मांझा क्यों है खतरनाक पशु-पक्षियों और मानव जीवन के लिए खतरनाक है।

इस मांझे की चपेट में आने से पक्षी और लोग भी घायल हो जाते हैं। इसके अलावा यह पर्यावरण के लिए हानिकारक है, क्योंकि इसमें उपयोग किया जाने वाला नायलॉन और प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकता है और यह नष्ट नहीं होता है।

डॉ. प्रवेश कांठेड़ को मिला इंटरनेशनल स्कॉलर अवार्ड

इंदौर। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ पैन एंड न्यूरोसाइंस ने सीनियर कंसलटेंट स्पाइन और पैन फिजिशियन डॉ. प्रवेश कांठेड़ को मायामी, फ्लोरिडा में इंटरनेशनल स्कॉलर अवार्ड से सम्मानित किया है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से उन डॉक्टरों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने पैन मेडिसिन के क्षेत्र में पिछले 15 वर्षों से सामाजिक कार्य और शोध में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस वर्ष यह अवार्ड केवल दो व्यक्तियों को प्रदान किया गया है, जिनमें से एक डॉक्टर यूके से हैं। डॉ. प्रवेश कांठेड़ भारत से इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले एकमात्र डॉक्टर हैं। वे इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पैन के नेशनल सेक्रेटरी है।

सर्दी में स्कूल चले हम

बढ़ती सर्दी का मौसम और स्कूल जाता बच्चा...
संजय डागा
हातोद

रामलला के लिए गजब की दीवानगी

100 सदस्यों का दल सायकिल से नासिक से अयोध्या के लिए रवाना

पीथमपुर। रामलला के प्रति लोगों की दीवानगी सिरचढ़ कर बोल रही है। हजारों लोग रोजाना अयोध्या के लिए यात्रा कर रहे है। शुक्रवार को रॉयल राइडर्स का एक दल नासिक से अयोध्या के जाते वक्त पीथमपुर से गुजरा। रोजाना रॉयल राइडर्स के सदस्य 150 किमी की सायकिल यात्रा कर रहे है।

11 दिसंबर से महाराष्ट्र के नासिक से शुरू हुई यात्रा 22 दिसंबर को अयोध्या में जाकर समाप्त होगी। राइडर्स सायकिल से सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक यात्रा करते है। यात्रा शुक्रवार को पीथमपुर से होते हुए इंदौर पहुंची। पहले दिन यात्रा धुलिया फिर दूसरे दिन सेंधवा तक सफर किया। यात्रा में 100 लोग शामिल है, इसमें 13 महिलाएं भी है। यात्रा कर रहे

सचिन मते, नलिनी कड़, अरुणा राने, अनिल सरोदे ने बताया कि आभा पाटिल के नेतृत्व में यात्रा निकाली जा रही है।

जय बाबा गुरुदेव मित्र मंडल द्वारा सुंदरकांड का आयोजन

इंदौर(हंसराज वर्मा)! जय बाबा गुरुदेव मित्र मंडल द्वारा संचालित होने वाले धर्म कार्य में मंडल द्वारा धर्म हित और राष्ट्रीय एकता के लिए युवाओं को प्रेरित किया जा रहा है! धर्म कार्य के चलते गुरुवार 12 दिसंबर को मालवा मिल पानी की टंकी के पास खिचड़ी प्रसादी का वितरण निरंतर गुरुवार को किया जा रहा है! धर्म के कार्य में संस्था द्वारा युवाओं को एकत्रित करने के उद्देश्य के साथ उनमें हिंदू धर्म के प्रति सद्भावना और और जन सहयोग के लिए प्रेरित करने जैसे प्रमुख उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए उनके जीवन में अच्छे विचार के बदलाव के साथ धर्म मार्ग पर चलने की अनूठी पहल मंडल द्वारा

संचालित की जा रही है! संस्था द्वारा सुंदरकांड का आयोजन किया गया जिसमें मंडल के सदस्य की कन्या कनक सोनी का जन्मदिन मनाया गया! मंडल के संरक्षक पंडित रवि ओझा एवं नरेंद्र काले ने बताया कि सुंदरकांड मंडली के विशेष भजन गायक के रूप में सुरेन्द्र भाई द्वारा प्रस्तुति दी गई। सुंदरकांड और प्रसादी की व्यवस्था में मंडल के पदाधिकारी, शानू दुबे, लोकेश मिश्रा, संजय ठाकुर (गुड्डू), जलिंधर कोल्हे, संगठन मंत्री पंडित योगेश शर्मा, पितू मीणा, केदार भाई, दीपक डिगे, रवि सोनी, राहुल एवं अन्य राम भक्तों द्वारा इस सुंदरकांड के धर्म पाठ में अपनी सेवा प्रदान की! मंडल की धार्मिक कार्य की जानकारी मंडल सचिव दीपक हार्डिया द्वारा दी गई।

सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देना होगी प्राथमिकता- गांधी

पंजाबी साहित्य अकादमी ने गांधी को बनाया 5 जिलों का संयोजक

खरगोन। संस्कृति, साहित्य और कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य मप्र संस्कृति परिषद भोपाल द्वारा गठित पंजाबी साहित्य अकादमी ने शहर के युवा, सक्रिय समाजसेवी कमलजीत सिंह गांधी (हनी) को पांच जिलों का ऑनरेरी समन्वयक संयोजक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पंजाबी साहित्य अकादमी निदेशक स. इंद्रजीत सिंह खनुजा ने की है।

अपनी नियुक्ति पर गांधी ने श्री खनुजा एवं अकादमी पदाधिकारियों सहित संस्कृति परिषद पदाधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि श्री गुरुग्रंथ साहिबजी से हमें सामाजिक सद्भाव, करुणा और भाईचारे की सीख मिलती है। उनकी सीख को आत्मसात कर अकादमी के माध्यम से हम मानव विकास और समाज की उन्नति के पथ पर सदैव चलते रहेंगे।

शासन की मंशानुरुप अकादमी के सहयोग से पंजाबी भाषा, संस्कृति और सामाजिक गतिविधियों को पूरे समर्पण भाव से आगे बढ़ाने का प्रयास करुंगा। गांधी ने बताया अकादमी पंजाबी भाषी समुदाय की विशिष्ट पहचान को संरक्षित करते हुए प्रदेश सरकार के सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध करना चाहती है। गांधी खरगोन, बड़वानी, खंडवा, बुरहानपुर एवं धार जिले के संयोजक नियुक्त किए गए है। गांधी की नियुक्ति पर मप्र छत्तीसगढ़ केंद्रिय श्री गुरुसिंघ सभा प्रधान हरपाल सिंह भाटिया, महासचिव सुरजीत सिंह टूटेजा, निमाड़ झोन संभागीय प्रधान मनजीत सिंह चावला, श्री गुरुसिंघ सभा खरगोन प्रधान हरचरण सिंह भाटिया, अजीतपाल सिंह भाटिया झिरन्या, रविंदर सिंह भाटिया बडवाह, ज्ञानी जसबीर सिंह राणा खंडवा, हरविंदरपाल सिंह भाटिया बड़वानी सहित पांचों जिलों के सिंघसभा कमेटी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

प्रियदर्शिनी स्कूल बोरावां की छात्रा माही यादव का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

कसरावद/इंदौर समाचार सेवाराम चौबे। भिंड में आयोजित 68वीं राज्य स्तरीय आयु वर्ग 14 बालिका नेटबॉल प्रतियोगिता में प्रियदर्शिनी पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, बोरावां की कक्षा 7 वीं की छात्रा माही यादव ने इंदौर टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर माही का चयन राष्ट्रीय स्तर की टीम में हुआ है। माही यादव 25 से 28 दिसंबर 2024 तक छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय नेटबॉल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह खबर न केवल संस्था बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरुण यादव ने माही यादव और उनके प्रशिक्षक धीरज गोस्वामी को उनकी उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि माही का यह चयन जिले के अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा देगा और खेलों के प्रति रुचि बढ़ाएगा। संस्था के प्राचार्य डॉ. नितिन मिश्रा, उप प्राचार्य संजेश कुमार वर्मा, वरिष्ठ समन्वयक चेतन पटेल, प्रशिक्षक धीरज गोस्वामी, और पूरे विद्यालय परिवार ने माही यादव को उनकी इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मिली मंजूरी

खरगोन। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 06 नवम्बर 2024 को एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य भारत के शीर्ष 860 गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने वाले मेधावी छात्रों को गारंटी फ्री लोन सहायता प्रदान करना है। जिसका अर्थ है कि हर साल इन ॥श्रद्ध में 22 लाख से अधिक नए छात्र प्रवेश लेते हैं।

इसके अलावा, उच्च शिक्षा विभाग की पीएम-उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत तकनीकी कोर्सेज हके लिए 4.5 लाख पारिवारिक आय वाले छात्रों के संपूर्ण ब्याज अनुदान दिया जाएगा। 7.5 लाख रुपये तक के लोन के लिए क्रेडिट गारंटी कवर, पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना और पीएम-उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना मिलकर सभी योग्य छात्रों को भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए समग्र सहायता प्रदान करेंगे।

इस योजना की सरल, पारदर्शी और पूरी तरह से डिजिटल प्रक्रिया के लिए विभाग द्वारा एक पीएम-विद्यालक्ष्मी पोर्टल विकसित किया जा रहा है। विद्यालक्ष्मी योजना के बारे में जागरूकता से स्कूली छात्रों को इन उच्च गुणवत्ता वाले इंस्टीट्यूट्स में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में बहुत प्रोत्साहन मिलेगा।

तदनुसार इन योजनाओं के बारे में छात्रों के बीच जानकारी फैलाई जानी चाहिए ताकि वित्तीय बाधाएं भारत के किसी भी युवा को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोक सकें।

शैक्षिक संवाद से शिक्षको में शिक्षण की नई नई गतिविधियों के प्रयोग की प्रेरणा मिलती है

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे। कसरावद शैक्षिक संवाद से शिक्षको में शिक्षण की नई नई गतिविधियों के प्रयोग की प्रेरणा मिलती है। और आपसी संवाद से सबके नवाचार एवं शिक्षण की विधियों से परिचित होते है यह बात डाइट प्राचार्य श्रीमती रश्मि मेहता ने शैक्षिक संवाद प्रशिक्षण के अवलोकन के दौरान कही।

ओ आई सी हरीश सोहनी एवं स्वधा पंडित ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के आदेश अनुसार जन शिक्षा केंद्र बालक कसरावद का शैक्षिक संवाद शनिवार को एकीकृत मा वि चिचलाय में सम्पन्न हुआ।जिसमें कक्षा 1 ,2 के शिक्षकों का सुबह 10. 30 बजे से 1.30 तक अजीम प्रेमजी द्वारा शैक्षिक संवाद तथा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा रखा गया था।

उक्त शैक्षिक संवाद में संकुल की प्राथमिक शाला के कक्षा 1, 2 के शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे । प्रशिक्षण में शिक्षक रूचि पूर्वक संवाद कर रहे थे। सहजकर्ता प्रवीण कुशवाह एवं सह सहजकर्ता नानसिंह मंडलोई ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

अजीज प्रेमजी फाउंडेशन के लिम्बाजी ने प्रथम पाली में संवाद स्थापित किया। चिचलाय शाला में बनी ट्रेन में प्राचार्य एवं सभी अधिकारी एवं प्रशिक्षार्थियों ने शेल्फी लेकर कहा कि इस तरह के नवाचार से बच्चो की शाला में उपस्थिति बढ़ाने में सार्थक पहल होती है।

इस संवाद में सुमेरसिंह यादव सहित संकुल के शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

61 वे गंगलेश्वर महादेव मेले का हुआ शुभारंभ कि किया गया भूमि पूजन

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे कसरावद। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर में 61 वा श्री गांगलेश्वर महादेव मेले का आज शनिवार को प्रातः 7 बजे श्री गांगलेश्वर महादेव मंदिर में अभिषेक किया गया जाकर मेला मैदान में भूमि पूजन कर शुभारंभ किया गया।

जिसमे विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि मेले में आकर्षक दुकाने, सजावट व झूले एवं बच्चे के मनोरंज तथा मेले में दुकानदारों को पर्याप्त सुविधा उपलब्ध किए जाने हेतु आग्रह किया गया है। उक्त भूमि पूजन कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि राजेंद्रसिंह यादव, मेला समिति प्रभारी श्रीमती सीता देवा सिसोदिया मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश गोले, निरज यादव, संतोषचंद्र दसौंधी, विजय यादव समस्त कर्मचारीगण एवं व्यापारी बंधु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत सम्पर्क दल ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर कर रहे सर्वे

खरगोन। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान 11 दिसम्बर से 26 जनवरी 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत सरकार की योजनाओं की पात्रता रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अब इन योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

इसके लिए नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए सम्पर्क दल गठित किए गए हैं, जो कि अपने-अपने क्षेत्र के ग्रामीण परिवारों से संपर्क कर पता लगा रहे हैं कि उन्हें सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। 'मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान' के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा गठित संपर्क दलों ने 14 दिसम्बर को घर घर जाकर ग्रामीण परिवारों से संपर्क कर पता लगा और शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सर्वे कार्य किया गया। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 14 दिसम्बर को जिला आपूर्ति अधिकारी श्री भारत सिंह जमरे ने ग्राम पंचायत लिक्खी व मोटापुरा में एवं जिला श्रम अधिकारी श्री अमित डुडवे द्वारा ग्राम पंचायत राजपुरा में घर घर जाकर मप्र शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं से वंचित रहे पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के लिए सर्वे किया।

15 दिसंबर को जिले के 11 केंद्रों पर होगी राज्य पात्रता परीक्षा-2024

खरगोन। मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा 15 दिसंबर 2024 को राज्य पात्रता परीक्षा-2024 का आयोजन किया जा रहा है। 15 दिसंबर को राज्य पात्रता परीक्षा जिला मुख्यालय के 11 परीक्षा केंद्रों पर एक साथ दोपहर 12 बजे से दोपहर 03 बजे तक आयोजित होगी। राज्य पात्रता परीक्षा-2024 क्रिएटिव पब्लिक स्कूल खण्डवा रोड गोपालपुरा खरगोन, राहत कॉलेज ऑफ नर्सिंग गौरीधाम मांगरूल रोड़ खरगोन, गोकुलदास पब्लिक स्कूल बिस्टान रोड़ खरगोन, श्री वैष्णव विद्या मंदीर हायर सेकेण्डरी स्कूल तिलकपथ खरगोन, शासकीय गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक-01 तिलकपथ खरगोन, बाल शिक्षा निकेतन हायर सेकेण्डरी स्कूल तिलकपथ खरगोन, सेंट ज्यूथ हायर सेकेण्डरी स्कूल मांगरूल रोड़ खरगोन, देवी अहिल्या शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल नंबर-1 तिलकपथ खरगोन, आदित्य विद्या विहार हायर सेकेण्डरी स्कूल खण्डवा रोड़ खरगोन, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोतीपुरा उमरखली रोड़ खरगोन और शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिस्टान रोड़ खरागोन में आयोजित होगी।

जिला अध्यक्ष ने सम्बोधित कर दी जानकारी

जिला भाजपा कार्यालय पर हुई पत्रकारवार्ता

बड़वानी। मध्यप्रदेश में भाजपा की डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार के सफलतम एक साल पूर्ण होने पर भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिला मीडिया प्रभारी सुनील भावसार ने बताया कि शनिवार को हुई प्रेसवार्ता को जिलाध्यक्ष कमलनयन इंगले ने सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली डॉ मोहन यादव सरकार के सफलतम सुशासन के एक साल पूर्ण हो गए है। उनका एक साल बेमिसाल रहा।

एमपी के मन में मोदी, मोदी के मन मे एमपी -श्री इंगले ने बताया कि 2023 के विधानसभा चुनावों में मध्यप्रदेश के प्रचण्ड एवं ऐतिहासिक जनआशीर्वाद से हमें यह राष्ट्रवादी सरकार प्राप्त हुई थी। एमपी के मन में मोदी और मोदी के मन में एमपी का नारा चरित्रतार्थ हुआ था। सरकार का यह प्रथम वर्ष मध्यप्रदेश में सुशासन, विकास और विरासत के संवर्धन के लिए समर्पित रहा है। हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास के साथ गौरवशाली सम्पन्न एवं विकसित मध्यप्रदेश की संकल्पना को साकार करने का ईमानदार प्रयास किया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश की उन्नति के लिए किसान, गरीब, महिला और युवाओं के लिए सफलता के द्वार खोल दिए हैं। इससे इन वर्गों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है।

मनाया जाएगा जनकल्याण पर्व - श्री इंगले ने बताया कि राज्य सरकार के सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने पर जनकल्याण पर्व शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित नागरिकों को लाभांवित किया जाएगा और जन समस्याओं का मौके पर शिविर लगाकर निराकरण किया जाएगा। जन-कल्याण पर्व में विभिन्न विभागों की गतिविधियां, विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पुजन के साथ जन कल्याण के कार्य प्रमुखता से किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी।

डॉ मोहन सरकार ने किए उल्लेखनीय कार्य -कमलनयन इंगले ने बताया कि प्रदेश में भाजपा की डॉ मोहन यादव सरकार ने एक वर्ष में प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अनेक क्षेत्र में कई कार्य कर उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर कार्यालय मंत्री राजेन्द्र सोनी, नगर मंडल अध्यक्ष मिथुन यादव, वरिष्ठ अग्रतलाल अग्रवाल, नरेंद्र बर्फ, मनोज गुप्ता, अमित जिंदल सहित पत्रकार मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत जिले में भी प्रारंभ होंगे शिविर

बड़वानी। प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला स्तर पर प्रदेश सरकार की विगत 1 वर्ष की उपलब्धियों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों पर केंद्रित जनकल्याण पर्व विकास शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बड़वानी खुर्द, बजट्टा खुर्द में 16 दिसम्बर को, जनपद पंचायत ठीकरी के ग्राम पंचायत आवली एवं पलासिया में 16 दिसम्बर को, जनपद पंचायत पाटी के ग्राम पंचायत पाटी एवं आवली में 16 दिसम्बर को, जनपद पंचायत राजपुर की ग्राम पंचायत बालसमुद एवं अगलगांव में 16 दिसम्बर को, जनपद पंचायत निवाली की ग्राम पंचायत बड़गांव में 16 दिसम्बर को, जनपद पंचायत पानसेमल की ग्राम पंचायत वांगरा में 16 दिसम्बर को, जनपद पंचायत सेधवा की ग्राम पंचायत झोपाली, लवाणी, पिसनावल एवं नवटीरानी में 16 दिसम्बर को शिविर लगाए जाएंगे। इसी तरह नगर पालिका बड़वानी के वार्ड क्रं. 1 में सिलावद रोड़ आंगनवाड़ी में के पास में 16 एवं 17 दिसम्बर को, नगर पंचायत राजपुर वार्ड क्रं. 1 में टेमला मार्ग शिव मंदिर के पास में 16 दिसम्बर को, नगर पंचायत पानसेमल में वार्ड क्रं. 1 में श्री दुर्गामाता मंदिर प्रांगण में 16 दिसम्बर को, नगर पंचायत अंजड़ में वार्ड क्रं. 1 में नर्मदा सागर वार्ड के पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास में 16 दिसम्बर को, नगर पंचायत खेतिया के वार्ड क्रं. 1 में साईं मंदिर के पास में 16 दिसम्बर को, नगर पंचायत ठीकरी के वार्ड क्रं. 1 में मांगलिग भवन में 11, 23 दिसम्बर तथा 2 जनवरी 2025 को शिविर लगाए जाएंगे।

14 दिसम्बर नेशनल लोक अदालत में हुआ प्रकरणों का निराकरण

बड़वानी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला न्यायालय परिसर बड़वानी के एडीआर भवन महात्मा गांधी जी की फोटो पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री जैन द्वारा लोक अदालत द्वारा अपने उद्बोधन में ऐसे प्रकरणों को निराकरण किया जाता है जिसमें दोनो पक्षकार अपनी सहमति एवं राजीनामा से उनके प्रकरण का हल निकालते हैं। लोक अदालत का यह नारा है न कोई जीता ना कोई हारा।

नेशनल लोक अदालत में समस्त बैंक, बिजली विभाग, नगर पालिका आदि द्वारा स्टॉल लगाकर प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में वसूली की गई। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित प्रकरण 1760 में 597 प्रकरणों का निराकरण हुआ। अवार्ड 71413439 पारित हुआ, 1444 व्यक्ति लाभांवित हुए प्रिलिटिगेशन प्रकरण 13414 में से 715 प्रकरणों का निराकरण हुआ, समझौता राशि 10445237 का पारित हुआ 791 व्यक्ति लाभान्वित हुए। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी मो रईस खान, श्रीमती संध्या मनोज श्रीवास्तव प्रथम अपर जिला न्यायाधीश मानवेन्द्र पवार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमती सीता कन्नोजे मुख्य न्यायिक मजि, नदीम शेख सचिव अधिवक्ता संघ/समस्त अधिवक्तागण, बैंक मैनेजर, खरते कार्यपालन यत्री एमपीईबी, प्रियंका रानी जनसम्पर्क अधिकरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, पैनल अधिवक्ता/सुलहकर्ता सदस्य, पीएलवी, पक्षकारगण एवं अन्य समस्त विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। आभार सचिव मानवेन्द्र पवार ने व्यक्त किया।

अल्प विराम परिचय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कार्य को बोझ नहीं, आनंद मान कर करे

बड़वानी। राज्य आनंद संस्थान के निर्देश पर कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग, जिला पंचायत सीईओ काजल जावला के मारदर्शन में बुधवार को बड़वानी और पाटी जनपद पंचायत अंतर्गत आजीविका भवन में एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय अल्प विराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

नोडल अधिकारी शक्ति सिंह चौहान ने बताया कि कर्मचारियों में आनंद की अनुभूति कराने तथा उनके दैनिक जीवन में सकारात्मक सोच को लाने के लिए कार्यशाला की जा रही है। अल्प विराम कार्य शाला का शुभारंभ पंचायत मुख्य कार्य पालन अधिकारी एमएल काग तथा निलेश नाग ने सरस्वती पुजन कर किया। वहीं सरस्वती वंदना आनंदम सहयोगी सुनीता शुक्ला एवं सुनीता बाजपेई ने प्रस्तुत की। इस दौरान जिला संपर्क व्यक्ति अनिल जोशी, मास्टर ट्रेनर्स डॉ राम सहाय यादव, सुधा बाजपेई, आनंदम सहयोगी सुनीता शुक्ला, रघुवीर सोलंकी ने प्रतिभागियों को जानकारी दी। जनपद पंचायत बड़वानी के ओम शर्मा, सागर ठाकुर, गोविंद अहिरे, प्राचार्य संतोष मिश्रा, प्राचार्य मुस्तकिम खान तथा पाटी जनपद के दीपेश पांडे, नानूराम धनगर, दिनेश काग, महिला बाल विकास अधिकारी प्रकाश रंगशाही तथा जन जातीय कार्य विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, वन विभाग के 60 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे। एमएल काग तथा निलेश नाग ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण किए। अंत में आभार आनंदम सहयोगी रघुवीर सोलंकी ने व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता के लिए टीम इंदौर रवाना

बड़वानी। राज्य स्तरीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन इंदौर के वैशाली नगर स्थित इंपीरियल पैलेस में रविवार को किया जाएगा। जिसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि 1 दिसंबर को जिला स्तरीय पंजा कुश्ती में भाग लेने के बाद लगभग 17 खिलाड़ी चयनित हुए थे। जो इंदौर में होने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेने जा रहे हैं। शनिवार को रणजीत क्लब में नगरपालिका अध्यक्ष अश्विनी निक्कू चौहान ने खिलाड़ियों से परिचय कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वर्ल्ड आर्म रेसलर मनोज पटेल ने खिलाड़ियों का परिचय देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में नारी शक्ति श्रीमति सुनिता काग, श्रीमति शोभा रावत, श्रीमति कीर्ति पटेल, दीपिका खन्ना, रेखा बालके व बालक वर्ग से अमक्ष गुप्ता, सुजल परमार, अनंत तिवारी, रजत सोलंकी, आरुष चौधरी, गोविन्द कश्यप, कबीर सिंह, सतीश डावर, रुद्रांश बघेल, रितेश सोलंकी भाग लेंगे।

बारिश से बाधित पहले दिन पहली पारी का स्कोर 28/0

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाजों की अच्छी शुरुआत

ब्रिस्बेन (एजेंसी)।

स्थानीय नायक उस्मान ख्वाजा और युवा नाथन मैकस्वीनी ने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ अच्छी रक्षात्मक तकनीक का प्रदर्शन किया, लेकिन लगातार बारिश ने तीसरे टेस्ट के शुरुआती दिन कहर बरपाया, जिससे केवल 13.2 ओवर का खेल हो सका, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को भारत के खिलाफ बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए। बारिश से बाधित पहले सत्र के बाद उदास मौसम ने कोई कार्रवाई नहीं होने दी। ब्रिस्बेन का मौसम अगले चार दिनों तक खेल शुरू-रोक का संकेत देता है। ख्वाजा (19 बल्लेबाजी, 47 गेंद) और मैकस्वीनी (4 बल्लेबाजी, 33 गेंद) ने सतर्कता के साथ आक्रामकता का आदान-प्रदान किया, लेकिन वरिष्ठ बाएं हाथ के बल्लेबाज ने फिर भी मोहम्मद सिराज की शॉर्ट पिच पर कुछ चौके लगाए। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इस बात से खुश होंगे कि ऑस्ट्रेलिया ने बहुत अधिक रन नहीं बनाए, लेकिन उनके गेंदबाजों ने विपक्षी सलामी बल्लेबाजों को अधिक गेंदें खेलने के लिए मजबूर नहीं किया। कई गेंदें लेंथ से बाहर चली गईं।जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय आक्रमण अपनी लय में आ रहा है, तभी अचानक से बारिश ने गेंदबाज़ी की गति पर ब्रेक लगा दिया। बुमराह (6 ओवर में 0/8) ने अब तक सीरीज़ में अपना सबसे कम शक्तिशाली ओपनिंग स्पेल किया।बादल छाए रहने और पर्याप्त उछाल के बावजूद, उन्होंने छह ओवर के पहले स्पेल में बहुत ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदें नहीं फेंकी, जबकि सिराज (4 ओवर में 0/13) ने कभी-कभी शॉर्ट पिचिंग की।बुमराह के मामले में, उन्होंने सही तरीके से गेंद को ऊपर की ओर फेंका, लेकिन उच्च आर्द्रता के कारण स्विंग का बहुत कम संकेत मिला और केवल कुछ मौकों पर ही वे राउंड द विकेट आते हुए ख्वाजा को स्क्वायर अप करने में सक्षम हुए।उन्होंने जो लाइन फेंकी, वह

ज़्यादातर लेग-साइड की ओर चली गई। बहुत ज़्यादा जांच-पड़ताल न किए जाने के कारण, लगातार बूंदाबांदी के कारण खेल रुकने से पहले पहले 25 मिनट में ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी नुकसान के 19 रन बनाए।मैकस्वीनी ने जहां डटकर बचाव किया, वहीं ख्वाजा ने ब्रेक से पहले सिराज को एक चौका लगाया और खेल फिर से शुरू होने के बाद एक और चौका लगाया।पहले ब्रेक से पहले, बुमराह ने भी बैक ऑफ लेंथ पर अधिक गेंदें फेंकी, जिससे बल्लेबाजों को सतह की उछाल पर भरोसा करते हुए उन्हें आसानी से छोड़ने का मौका मिला। सिराज को तीन ओवर के शुरुआती स्पेल के बाद हटा दिया गया। यह आकाश दीप (3.2 ओवर में 0/2) थे, जो पहले अच्छे दिखे, उन्होंने अपनी स्टॉक डिलीवरी के साथ गेंद को ऑफ-स्टंप चैनल पर रखा, जिससे बल्लेबाज असहज स्थिति में आ गए। एक घंटे के खेल के दौरान, मुख्य आकर्षण यह था कि ख्वाजा ने बुमराह के पहले स्पेल का सामना कैसे किया।उन्होंने अपना निचला हाथ नीचे करके और जितना संभव हो सके उतना देर से खेलने की कोशिश करके अच्छा बचाव किया। ख्वाजा के बाहरी किनारे से गुजरने वाली गेंदें बीट होने के बारे में नहीं थीं, बल्कि उन्होंने बल्ले को अपने शरीर के करीब रखा, जिससे गेंद विलो से आगे निकल गई। उन्होंने केवल वही गेंदें खेलीं जो उनके शरीर में फेंकी गई थीं। उन्हें पता था कि अगर वे बुमराह के पहले स्पैल को संभाल सकते हैं, जो आम तौर पर छह से आठ ओवरों के बीच होता है, तो वे अन्य गेंदबाजों पर हावी हो सकते हैं।दूसरा बारिश का ब्रेक ठीक उसी समय आया जब आकाश और सिराज ने कोण का अच्छा इस्तेमाल करते हुए गेंद को और ऊपर पिच करना शुरू कर दिया था।

बाबर टी20 में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

सेंचुरियन। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 31 रनों की पारी के साथ ही एक अहम अपने नाम कर ली है। बाबर अब टी20 प्रारुप में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अपनी पारी के दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के आतिशी बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर ने यह रिकॉर्ड 298 पारियों में बनाया जबकि गेल को टी20 में 11000 रन बनाने के लिए 314 पारियां खेलनी पड़ी थीं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने इस आंकड़े तक पहुंचने 330 पारियां जबकि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 337 पारियां खेली थीं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 20 गेंदों में 31 रन बनाए।

आमिर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

कराची, (एजेंसी)। विवादास्पद पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने टी20 विश्व कप खेलने के लिए संन्यास से बाहर आने के महीनों बाद शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। आमिर, जिन्हें 2010 से 2015 के बीच स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में पांच साल के लिए क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया था और अपने अपराध के लिए

कुछ समय के लिए जेल भी गए थे, ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। हालांकि, उन्होंने अपना मन बदल लिया और इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप में खेलने के लिए वापसी की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का कठिन फैसला लिया है।

श्रीकांत को सर्दी की याद आ रही

अभिनेता श्रीकांत द्विवेदी, फिलहाल पौराणिक शो शिव शक्ति-तप, त्याग, तांडव में भगवान विष्णु की भूमिका निभा रहे हैं, मुंबई के बाहरी इलाकों में सर्दियों की हल्की झलक का आनंद ले रहे हैं। उत्तर भारत से आने वाले श्रीकांत कहते हैं कि उन्हें सर्दियों का मौसम बहुत पसंद है। मैं

उत्तर भारत से हूं, इसलिए सर्दियों का असली एहसास मैं समझता हूं। अगर तुलना करूं तो मुंबई में सर्दी होती ही नहीं, इसे ठंडी गर्मी कहना ज्यादा सही होगा। हालांकि, मुंबई के बाहरी इलाकों में एक सुखद ठंडी हवा का एहसास होता है। अभी मैं उमरगांव नामक जगह पर शूटिंग कर रहा हूं और मैं कह सकता हूं कि यहां आपको सर्दियों की हल्की झलक महसूस होती है। लेकिन मुंबई शहर के भीतर, यह केवल ठंडी गर्मी है, सर्दी नहीं, उन्होंने कहा।

शीना के साथ शामिल हुए सोनाक्षी , अनुष्का , नंदिता और रुचि नारायण

मानवाधिकार दिवस पर सोनाक्षी सिन्हा, अनुष्का सेन, नंदिता दास और रुचि नारायण ने शीना चौहान को रीड मी माई राइट्स नामक वीडियो की एक श्रृंखला शुरू करने में मदद की, जहां कलाकार मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सार्वभौमिक घोषणा से उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण अधिकार को ऑनलाइन पढ़ते और पोस्ट करते हैं। ये कलाकार प्रीति जिंटा, रवीना टंडन, सोनू सूद, इम्तियाज अली, गुनीत मोंगा, संजना सांघी और कई अन्य लोगों की सूची में शामिल हो गए, जिन्होंने शीना के साथ काम किया है, ताकि मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सार्वभौमिक घोषणा से विभिन्न अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने में मदद मिल सके।

फैसला सुनाते वक्त भावुक हो गए रेमो डिसूजा

इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर- चैंपियंस का टशन में, उर्फी जावेद और मनीषा रानी क्रमशः सुपर डांसर और इंडियाज़ बेस्ट डांसर की टीमों का जोश बढ़ाने पहुंची। टीम आईबीडी का प्रतिनिधित्व करने के लिए मलाइका अरोड़ा ने अनिकेत को भेजा और गीता कपूर ने टीम सुपर डांसर की प्यारी सी फ्लोरिना को भेजा, जिन्होंने इस अल्टीमेट मुकाबले में एक दूसरे का सामना किया। फ्लोरिना की धमाकेदार एनर्जी और अनिकेत के बेजोड़ मूव्स ने सभी को हैरान कर दिया, और लॉर्ड रेमो ने उनके परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए दोनों को अपना सिग्नेचर सर्वगुण संपन्न दिया। वह फ्लोरिना की भावना और एनर्जी से खासतौर पर प्रभावित हुए, और यहां तक कि गीता और मलाइका भी इस नन्ही बच्ची को देखकर दंग रह गईं।विजेता की घोषणा करने से पहले, रेमो ने स्पष्टीकरण दिया और कहा, इस बैटल में उम्र फैक्टर था, लेकिन चूंकि यह दो टीमों के बीच की प्रतियोगिता है, इसलिए हम उम्र पर ध्यान नहीं दे सकते मेरे लिए, आप दोनों विजेता हैं ।

संगठनों की संपत्तियों की जानकारी मांगी जीएडी ने

कर्मचारी संघों पर राज्य सरकार सख्त रूख

इंदौर। मप्र में कर्मचारी संघों की मनमानी और पदाधिकारियों की कारस्तानी पर सरकार अंकुश लगाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार ने सख्त रूख अपनाने का फैसला किया है। इसके तहत सामान्य प्रशासन विभाग संगठनों की संपत्तियों की जानकारी एकत्रित कर रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश में निजी स्वार्थों के लिए कर्मचारी संगठनों का गठन किया जा रहा है। इसको लेकर कर्मचारियों के बीच कलह भी बढ़ रही है।

उल्लेखनीय है कि कर्मचारी संगठनों का गठन कर्मचारियों के हितों के मद्देनजर किया जाता है। अपने निजी स्वार्थ की खातिर आपसी कलह में उलझते कर्मचारी संगठनों पर राज्य सरकार सख्त होने जा रही है। संगठनों के पास जिलों में कितनी संपत्तियां हैं। इसका ब्यौरा लेने की तैयारी हो रही है। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग सक्रिय हुआ है।

कहा जा रहा है कि इन विवादों और गुटबाजी का विपरीत असर शासकीय सेवा पर पड़ रहा है। कलेक्टरों से यह जानकारी मांगी जा रही है कि किस जिले में कर्मचारी संगठनों के कितने सरकारी आवासों में कार्यालय हैं। इनका क्या उपयोग हो रहा है। इसकी जानकारी भेजी जाए।

प्रदेश में 22 मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठन

गौरतलब है कि निरंतर विवादों के कारण हो रही शिकवा-शिकायतों को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग यह चिंतित है। मध्य प्रदेश में 22 मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठन हैं। इनमें अधिकांश संघों को राज्य से लेकर ब्लॉक स्तर तक कार्यालय के रूप में शासकीय आवास आवंटन किए गए हैं। अब सरकार की दिक्कत है कि जिस कर्मचारी संघ में विवाद चल रहा है। उनके नेता निरंतर एक दूसरे की शिकवा शिकायत कर रहे हैं।

कारण है कि दो-दो अध्यक्ष बने हुए हैं। नतीजतन संगठन की संपत्ति पर हर अध्यक्ष अपना अधिकार जताना चाह रहा है। इससे शासन की चिंता बढ़ी है। मुख्य वजह यह है कि एक संगठन में दो-दो अध्यक्ष होने के कारण जहां सरकार की छवि खराब हो रही है। वहीं इसका सीधा असर शासकीय व्यवस्था पर पड़ रहा है। नेताओं के समर्थक कर्मचारी एक दूसरे पर सरकारी कार्यालयों में ड्यूटी के दौरान आरोप लगाते हैं। जिससे काम को गति नहीं मिल पा रही है।

विवादों का समाधान निकालने का प्रयास

जानकारी है कि कलेक्टरों ने भी शासन को यह सुझाव दिया है कि कर्मचारी संगठनों में उपजे आपसी विवादों का कोई सकारात्मक समाधान निकाला जाए। ताकि कार्यालयीन काम सुचारू गति से चल सके। गौरतलब है कि जिस तृतीय वर्ष शासकीय कर्मचारी संघ को दिवंगत कर्मचारी नेता सत्यनारायण तिवारी ने सींचकर समृद्ध बनाया था। उसकी आपसी कलह से मान्यता समाप्त की जा चुकी है। आज इसमें करोड़ों रुपए की संपत्ति पर भारी विवाद मचा हुआ है। संगठन में छिंदवाड़ा, बैतूल, होशंगाबाद, विदिशा, रायसेन, छतरपुर, डिंडोरी, मंडला, जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर, छतरपुर सहित हर जिले में जिला से लेकर ब्लॉक स्तर तक सरकारी आवासों में कार्यालय संचालित हैं।

कई जिलों में तो संगठन के कार्यालयों में दुकान किराए पर चल रही है। इसी को लेकर विवाद है। अब जिस गुट के पास इन कार्यालयों का कब्जा है।

एक संघ के कई अध्यक्ष

कर्मचारी नेता उमाशंकर तिवारी का कहना है कि यह सही है कि एक-एक संघ में दो-दो अध्यक्ष होंगे तो आपसी वैमनस्यता बढ़ेगी। इससे जहां काम पर विपरीत असर पड़ रहा है। वहीं इसका सीधा फायदा सरकार और अधिकारी उठा रहे हैं। मौजूदा समय में सबसे ताकतवर और आरएसएस के अनुषांगिक सरकार समर्थित राज्य कर्मचारी संघ में भारतीय मजदूर संघ ने विवाद थाम लिया है। कारण है कि शुरुआती दौर से इस संगठन पर बीएमएस का नियत्रण संबद्धता के रूप में रहा है। इस संगठन में जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह भदोरिया एवं हेमंत श्रीवास्तव के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा था। तीनों ही अपने-अपने को लेटर हेड पर अध्यक्ष लिखते थे।

इस विवाद की मान्यता समाप्त करने के लिए भी रजिस्टर फर्म्स सोसायटी सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश पर तैयारी कर चुका था। लेकिन जब बीएमएस ने हस्तक्षेप किया तो सभी नेता एकजुट हुए और नए सिरे से चुनाव करवा कर नई कार्यकारिणी बनाई गई है। मप्र लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ प्रांताध्यक्ष एमपी द्विवेदी का कहना है कि तृतीय वर्ग शासकीय कर्मवीर संघ हर काम में पारदर्शिता जरूरी है। सभी संघों में एकजुटता जरूरी है। क्योंकि सरकार चाहती है कि कर्मचारी संघ आपस में विवादों में उलझते रहे। ताकि उनके मुद्दे अनसुलझे बने रहें।

प्रदेश व्यापी विधानसभा घेराव को लेकर कांग्रेस की तैयारी तेज

दिग्गज नेता वीडियो जारी कर रहे अपील

इंदौर। प्रदेश मे भ्रष्टाचार जैसे कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को प्रदेशव्यापी आंदोलन करने जा रही है। इसे लेकर बड़े स्तर पर तैयारी की जा रही है। आंदोलन को सफल बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी के सभी बड़े नेता जोर लगाना शुरू कर दिया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेताप्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बाद अब पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह भी इस आंदोल में शामिल होने के लिए वीडियो जारी कर कार्यकर्ताओं से अपील की है।

कांग्रेस के महासचिव जितेन्द्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने जिला/ शहर कांग्रेस अध्यक्षों, जिला प्रभारियों-सहप्रभारियों से जूम मीटिंग कर 16 दिसंबर को कांग्रेस के आव्हान पर आयोजित विधानसभा घेराव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का किया आव्हान किया है।

बैठक में 200 से अधिक जिला कांग्रेस अध्यक्षों, प्रभारी, सहप्रभारियों को जूम के माध्यम से जोड़कर आगामी 16 दिसंबर को व्यापक स्तर पर होने वाले प्रदेश स्तरीय विधान सभा घेराव की तैयारी, सुविधा जुटाने एवं उसमें आने वाली परेशानियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। घेराव कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा कांग्रेसजन शामिल हो सके इस पर विचार-विमर्श किया गया, जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रत्येक ब्लांक कांग्रेस कमेटियों, जिला/ शहर कांग्रेस कमेटियों, विधायक उम्मीदवार, पिछला चुनाव लडने वाले उम्मीदवारों को रैली में शामिल कराने का लक्ष्य निर्धारित किये गय हैं।

क्योंकि यह घेराव कार्यक्रम प्रदेश की निकम्मी सरकार को आईना दिखाने और वहीं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसलिए समस्त जिले के जिला प्रभारी, सह-प्रभारी और संगठन में बैठे हर स्तर के पदाधिकारी भी इस आयोजन को पूरी गंभीरता से लें और दिए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगाए ।

एक-एक कार्यकर्ता हो शामिल

पटवारी ने कहा की एक-एक कार्यकर्ता इस प्रदेशव्यापी घेराव कार्यक्रम में शामिल हो, ताकि संघर्ष की एक नई इबारत मध्यप्रदेश के राजनीतिक इतिहास लिखी जा सके। उन्होंने कहा कि अभी नहीं तो कभी नहीं, इस भावना से प्रेरित होकर इस बार हम मध्य प्रदेश में बीजेपी की जन विरोधी, निरंकुश और स्वेच्छाचारी सरकार को उखाड़ फैकने के हम दृढ़संकल्पित है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हम जन आंदोलन और विपक्ष की धारदार और पैनी भूमिका को सुनिश्चित कर रहे हैं।

सभी विधायक हो जाएं सक्रिय

विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा की मध्य प्रदेश के पूरे विधायक पूर्ण रूप से सक्रिय हो जाए और इस रैली को सफल बनाने में अपनी पूरी ताकत झोंक दें, ताकि प्रदेश में जनता की बीच एक संदेश जाये कि प्रदेश की भाजपा जनविरोधी सरकार है और उसे उखाडक़र फैकने के लिए हम सभी कटिबद्ध है।

भाजपा झांझ मजीरे बजा रही है या सरकार चला रही है?- जीतू पटवारी

मनोज परमार और उनकी पत्नी द्वारा हत्या आत्महत्या नहीं सरकारी हत्या है

इंदौर। सीहोर जिले के आष्टा में एक परिवार में पति-पत्नी दोनों के द्वारा ईडी की कार्यवाही से प्रताड़ित किये जाने पर अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। मनोज परमार और उनकी पत्नी द्वारा आत्महत्या का मामला मैं इसे आत्महत्या नहीं मानता यह आत्महत्या नहीं, सरकारी हत्या है। श्री पटवारी ने कहा कि अभा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पूर्व में निकाली गई भारत जोड़ों यात्रा के दौरान आष्टा के कुछ बच्चों ने राहुल जी को अपनी गुल्लक भेंट की थी, तब से उन बच्चों और उनके माता पिता को सीबीआई, पुलिस, ईडी द्वारा परेषान किया जा रहा था। भाजपा प्रदेषाध्यक्ष वीडी शर्मा द्वारा लगातार उन पर भाजपा ज्वाईन करने का दबाव बनाया गया। लेकिन श्री परमार भाजपा के दबाव में नहीं आये। श्री पटवारी ने कहा कि इसी के चलते श्री परमार और उनके परिवार पर दबाव बनाया गया, ईडी की कार्यवाही की गई। परमार ने ईडी की कार्यवाही के चलते इतना बड़ा कदम उठाते हुये पूरी भाजपा को जिम्मेदार ठकराया है, इसका प्रणाम उनके द्वारा लिखा गया सोसायट नोट हैं, जिसमें भाजपा द्वारा प्रताड़ित करने का जिक्र स्पष्ट तौर पर लिखा गया है।

श्री पटवारी ने कहा कि हमें विष्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि इसके पहले भी परमार पर सीबीआई, पुलिस और ईडी की कार्यवाही की जा चुकी है, लेकिन बार-बार उन्हें प्रताड़ित किया गया। इस तरह की कार्यवाही से श्री परमार के परिवार पर मानसिक दबाव बनाया गया, यह उनकी यह आत्महत्या नहीं बल्कि, उनकी सरकारी हत्या की गई है।

श्री पटवारी ने कहा कि यह मामला राजनीति से परे हैं। इस मामले में उन मासूम बच्चों का क्या दोष है। पर देश और मध्य प्रदेश के सामने सवाल है, कि भाजपा और नरेन्द्र मोदी कैसा देश चलाना चाहते हैं, क्या यही है नया भारत? सारा घटनाक्रम सरकारी पाप है क्राईम है और सरकारी हत्या है। भारतीय जनता पार्टी कानून और संविधान के हिसाब से चलना नहीं चाहती, बल्कि यह संविधान की हत्या करना चाहती है जिन मनोज परमार की हत्या हुई है इसके साथ संकेत हैं कि भाजपा केवल लोगों को दुख और तकलीफ दे सकती है, उनके दर्द पर मरहम लगाने की बात नहीं करती। उन्होंने कहा कि प्रदेष की भाजपा झांझ-मंजीर बजा रही है, या सरकार चला रही है?

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com